अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चीनी का विक्रय मूल्य

2311. श्री वीरेन जे० शाह :
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चीनी का विक्रय मूल्य कम होने के कारण देश के लिए चीनी का निर्यात लाभकारी नहीं है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि गत तीन वर्षों के दौरान विश्व में चीनी का उत्पादन गत वर्षों की तुलना में कम हुआ है;

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार भविष्य में चीनी के अलाभकारी निर्यात के मामले की समीक्षा करेगी;

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ; और

(च) देश में चीनी की सुलभ उपलब्धता को देखते हुए सरकार द्वारा 1992-93 के चीनी पिराई मौसम में कुल कितनी मात्रा में चीनी के निर्यात की अनुमति दी है और देश को इसके फलस्वरूप कुल कितना घाटा होने की संभावना है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) जी, हां ।

(ख) इससे संबंधित ब्यौरा विवरण में दिया गया है । **(नीचे देखिए)**

(ग) जारनिको शुगर रिव्यू सं० 1829 दिनांक 17-2-1993 के अनुसार 1992-93 को छोड़कर विश्व में चीनी के उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी हुई है । विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है:

वर्ष	उत्पादन '000 टन रॉ वैल्यू में
1988-89	105833
1989-90	109193
1990-91	114008
1991-92	116427
1992-93	114567

(घ) और (ङ) चीनी का निर्यात बहुमूल्य विदेशी मुद्रा कमाने के उद्देश्य से किया गया है । तथापि, 1992-93 मौसम के दौरान चीनी के उत्पादन में घटने की प्रवृत्ति को देखते हुए सरकार ने निर्यात अभिकरण को यू० एस० ए०/ई० ई० सी० को तरजीही कोटा तथा नेपाल को होने वाली चीनी की थोड़ी मात्रा के निर्यात को छोड़कर चीनी के निर्यात का नया अनुबंध नहीं करने के निदेश दिए है ।

(च) 1-10-1992 से 17-7-1993 तक निर्यात अभिकरण द्वारा वाणिज्यिक आधार पर 2,99,749 टन चीनी निर्यात की गई है । निर्यात की गई उक्त मात्रा पर लगभग 15.71 करोड़ रुपये घाटा होने की संभावना है तथा इस घाटे को चीनी उद्योग द्वारा वहन किया जाएगा ।

विवरण

चीनी वर्ष (अक्तूबर-सितंबर)	निर्यात की गई मात्रा (मे० टन)	अर्जित की गई विदेशी मुद्रा (करोड़ रुपये में)	निर्यात से औसत प्राप्ति (रुपये/मे० टन)	खुले बाजार में चीनी फैक्टियों द्वारा औसत मूल्य प्राप्ति
				(मई, 1993 तक)
1992-93 (17-7-1993)	2,99,748.5	260.23	8682	9103.80

Separate Shift for primary section in Kendriya Vidyalaya

2312. SHRI *I.* S. RAJU: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to shift primary sections of Kendriya Vidyalaya to separate shift or to convert them into independent units; and

(b) if so, the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DPPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) Kendriya Vidyalaya Sangathan has informed that at present there is no such proposal.

(b) Does not arise.

Admission Guidelines on Sports Quota

2313. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state *